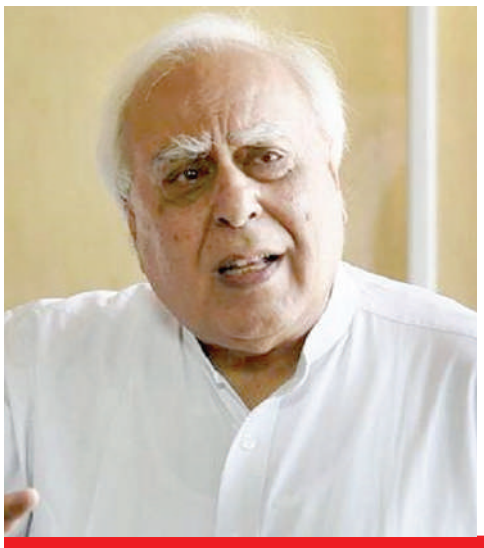

सांध्य दैनिक 4PM

दुनिया की सबसे खूबसूरत चीजें न ही देखी जा सकती हैं और न ही छुई, उन्हें बस दिल से महसूस किया जा सकता है।

-हेलेन केलर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 290 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 27 नवम्बर, 2021

यूपी, एमपी और बिहार में सबसे ज्यादा कुपोषित... 8 | छह महीने के अंदर यूपी के दस... 3 | अब फतेहपुर में जीका वायरस... 7

प्रयागराज हत्याकांड पर अखिलेश ने सरकार को घेरा, बोले

दलित विरोधी है भाजपा

» कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, फाफामऊ में दलित परिवार के चार लोगों की दबंगों ने कर दी थी हत्या

उम्मीद है बिना चश्मे के दिख जाएंगे अपराधी प्रदेश सरकार पर बदनुमा दाग है हत्याकांड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज के फाफामऊ में दलित परिवार के चार लोगों की नृशंस हत्या ने तूल पकड़ लिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले में प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने भाजपा को दलित विरोधी बताते हुए घटना को प्रदेश सरकार पर बदनुमा दाग बताया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट कर प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के फाफामऊ में दबंगों ने चार दलितों की हत्या कर दी है। यह घटना दलित विरोधी भाजपा सरकार पर एक और बदनुमा दाग है। घोर निंदनीय। उम्मीद है यह सभी अपराधी बिना चश्मे के भी दिख जाएंगे। गौरतलब है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव प्रदेश की चरमराती कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर लगातार हमला कर रहे हैं। इसके अलावा वे कोरोना कुप्रबंधन, बढ़ती महंगाई, किसान और बेरोजगारी को लेकर जनता के बीच सवाल उठाते रहे हैं। वहीं हाथरस के बाद अब प्रयागराज कांड ने सरकार की हालत पतली कर दी है।

गौरतलब है कि प्रयागराज में मंगलवार को एक दलित परिवार के चार सदस्यों की कुल्हाड़ी से प्रहार कर हत्या कर दी गई थी। दो दिन बाद इस हत्याकांड की भनक पुलिस को लगी। परिवार के लोगों का आरोप है कि नाबालिग बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोट से मौत की पुष्टि हुई है। साथ ही दुष्कर्म की आशंका को देखते हुए मां-बेटी की स्लाइड भी सुरक्षित की गई है। पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सभी पर हत्या, दुष्कर्म, पाक्सो और एससी-एसटी एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। दूसरी ओर इस मामले में लापरवाही बरतने पर इंस्पेक्टर फाफामऊ राम केवट पटेल सहित दो अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

पीड़ित परिजनों को मुआवजा देने का ऐलान

प्रयागराज। जिले के फाफामऊ में एक दलित परिवार के चार लोगों की हत्या के मामले में योगी सरकार की ओर 16 लाख 50 हजार रुपये के मुआवजे का ऐलान किया गया है। इस संबंध आदेश जारी किया जा चुका है। शासन की ओर से जिलाधिकारी ने 16.5 लाख मुआवजे की घोषणा की है। मृतक के परिजनों की सभी मांगों को पूरा करते हुए परिवार की सुरक्षा के लिए मौके पर पुलिस पिकेट लगा दी गई है।

आप सांसद संजय सिंह ने भी साधा निशाना

प्रयागराज। फाफामऊ थाना क्षेत्र के गोहरी गांव में हुए हत्याकांड के बाद आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बताया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक ही परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या दिल दहलाने वाली है। एक दिव्यांग बच्चे, उसके मां-बाप की हत्या की गई है और एक नाबालिग बच्ची की गैंग रेप कर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा है कि ऐसी दरिंदगी और बहशीपन की घटना हुई है जिसका उदाहरण मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में वंचित समाज को रोज कुचला जा रहा है, मारा जा रहा है। वह चाहे हाथरस की घटना हो, प्रयागराज की घटना हो या फिर किसी अन्य जगह की घटना हो। शिकायत के बावजूद पुलिस ने एक्शन नहीं लिया, जिसके चलते इतनी बड़ी घटना सामने दिखाई दे रही है।

कई आरोपी पकड़ से दूर, पुलिस खाली हाथ

प्रयागराज। प्रयागराज के फाफामऊ थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या के कई आरोपी अभी फरार हैं। वहीं पुलिस टीम मंगलवार से गांव से गायब लोगों की सूची तैयार करने लगी है। साथ ही मृतकों के घर किन बाहरी लोगों का आना-जाना था, इसका भी पता लगाने में वह जुटी है। जिन लोगों पर मृतकों के स्वजनों ने आरोप लगाया है उसमें से आठ को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अस्पताल में है जबकि दो की लोकेशन मुंबई में मिली है। ऐसे में पुलिस गांव और आसपास के इलाकों में यह पता लगा रही है कि कौन-कौन लोग मंगलवार से गायब हैं। ऐसे कौन लोग हैं, जिनका मृतक के घर अधिक आना-जाना था। इन सभी की सूची पुलिस बना रही है। साथ ही ईंट-भट्ठे में कितने लोग काम करते हैं, इन सभी से भी पूछताछ हो रही है। हालांकि, अभी तक पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा है।

किसानों के आगे फिर झुकी सरकार

अब पराली जलाना अपराध नहीं

» केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया ऐलान, किसानों से आंदोलन समाप्त करने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में अब पराली जलाना अपराध की श्रेणी में नहीं आएगा। यह घोषणा केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आज की। उन्होंने कहा कि यह किसान संगठनों की बड़ी मांगों में से एक मांग थी कि पराली जलाने को अपराध की श्रेणी से बाहर रखा जाए इसलिए किसानों की यह मांग केंद्र सरकार ने मान ली है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों की वापसी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब किसान आंदोलन का कोई औचित्य नहीं बनता है। किसान बड़े मन का परिचय दें और अपने-अपने घर लौटना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र के पहले दिन 29 नवंबर को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने के

विधेयक को सूचीबद्ध किया जाएगा। पीएम मोदी द्वारा तीनों कृषि कानून बिल को वापस लिए जाने की घोषणा के बाद मोदी कैबिनेट ने भी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। सरकार की ओर से किसानों की समस्याओं के निवारण के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कमेटी के गठन से किसानों की एमएसपी संबंधित मांग भी पूरी हो गई है।

कोरोना के नए वेरिएंट से हड़कंप, प्रभावित देशों से उड़ानों पर रोक लगाने की मांग

» दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से किया आग्रह

» भारत ने ब्रिटेन समेत कई देशों को रखा जोखिम सूची में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना के नए वेरिएंट ने दुनिया की चिंता एक बार फिर बढ़ा दी है। नया बी.1.1.529 वेरिएंट दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना में मिला है। नया वेरिएंट डेल्टा से भी ज्यादा खतरनाक और अधिक संक्रामक है। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने

कहा है कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन देशों से उड़ानें बंद करने का आग्रह करता हूं, जहां कोरोना का नया वेरिएंट मिला है। हमें इस नए वेरिएंट को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। अगले महीने 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नियमित रूप से शुरू हो जाएंगी।

उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने जिन देशों को 'जोखिम नहीं' श्रेणी में रखा है, वहां से द्विपक्षीय हवाई सेवा का संचालन होगा जबकि भारत ने सतर्कता बरतते हुए ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, मॉरीशस, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, हांगकांग और इजाइल को जोखिम वाले देशों की सूची में रखा है। इन देशों से भारत आ रहे यात्रियों की जांच कराई जा रही है। दूसरी ओर इस मामले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने आपात बैठक की है।

देश में केवल बड़े उद्योगपतियों को मिल रहा है न्याय : प्रियंका गांधी

» प्रयागराज हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलीं कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी वाड्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रयागराज में कहा कि न्याय सिर्फ उन लोगों के लिए है, जिनकी सत्ता है। देश में केवल बड़े उद्योगपतियों को न्याय मिल रहा है। दलितों, किसानों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए न्याय बचा ही नहीं है। उत्तर प्रदेश में संविधान को नष्ट किया जा रहा है। आज देश में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। संविधान में लिखा है यदि इस तरह के जघन्य अपराध होते हैं तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं न्याय की लड़ाई के साथ हूं।

कांग्रेस की यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी प्रयागराज के फाफामऊ क्षेत्र में मां-बेटी से दुष्कर्म के बाद परिवार के सभी चारों सदस्यों की हत्या के बाद उनके घर पहुंचीं थीं। यहां उन्होंने मृतक के भाई के परिवार से एकांत में 45 मिनट तक वार्ता की और घटनाक्रम के बारे में जानकारी ली। प्रयागराज पुलिस को कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा आखिर पुलिस ने एक के बाद एक तीन शिकायत के बावजूद रोका क्यों नहीं? सुरक्षा क्यों नहीं उपलब्ध कराई गई? प्रियंका गांधी ने कहा कि मैं पूछना चाहती हूं कि इन्हें न्याय क्यों नहीं मिला? परिवार के सदस्यों की तरफ से मुझे वीडियो दिखाया गया और बताया गया कि जिस तरह से उनको मारापीटा गया, इससे वह दहशत में हैं। घर में सिर्फ महिलाएं हैं। परिवार में सिर्फ एक पुरुष हैं, जो झारखंड में काम करते हैं। प्रियंका गांधी ने कहा सिर्फ पुलिस को सस्पेंड करने से काम नहीं चलेगा। परिवार में 17 साल की बेटी और उसका 10 साल का भाई था। वह भी दिव्यांग था। कुल्हाड़ी से गला काटा गया है। मैं यह समझ नहीं पाती हूं कि ऐसी परिस्थिति में जिला और पुलिस प्रशासन क्यों चुप रहा? प्रियंका दिल्ली से हवाई मार्ग से लखनऊ फिर प्रयागराज पहुंचीं।

मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, मांगी रिपोर्ट

दुष्कर्म के बाद पूरे परिवार की हत्या की घटना को उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग लखनऊ ने स्वतः संज्ञान में लिया है। कहा गया है कि चार लोगों की नृशंस हत्या और दो दिन तक घर में लाशें पड़ी रहीं और इसकी भनक तक किसी को नहीं लगी। यह प्रकरण प्रथम दृष्टया मानवाधिकार के हनन का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रतीत होता है। प्रकरण अति आवश्यक और अत्यंत गंभीर है। मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष बालकृष्ण नारायण ने एसएसपी से खुद मामले की जांच कर तीन दिन के भीतर यानी 29 नवंबर को रिपोर्ट मांगी है।

मृतकों के स्वजन को मिलेंगे 16 लाख और जमीन का पट्टा

दलित किशोरी से दुष्कर्म के बाद पूरे परिवार की कुल्हाड़ी से काट डालने के मामले में पूरा दिन हंगामा होता रहा। मांगों को पूरा करने के बाद ही शवों की अंत्येष्टि की बात कही गई। मृतक के भाइयों ने एक करोड़ रुपये के मुआवजे के साथ मृतक के चारों भाइयों को शस्त्र लाइसेंस, पट्टे की जमीन और घर के एक सदस्य को सरकारी नौकरी जैसी कई मांगे रखीं। अफसरों ने समझाया, तब जाकर लगभग पांच घंटे बाद आक्रोशित महिलाएं व अन्य लोग शांत हुए, इसके बाद फाफामऊ घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। मृतकों के स्वजन को एसएसटी आर्थिक सहायता योजना के तहत समाज कल्याण विभाग की ओर से साढ़े 16 लाख, जमीन का पट्टा और असलहा भी मिलेगा। दरअसल, फाफामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में 50 वर्षीय अधेड़, उसकी 45 वर्षीया पत्नी, 17 वर्षीय पुत्री और 13 वर्ष के पुत्र को मंगलवार रात कुल्हाड़ी से काट डाला गया था।

भाजपा के साथ पिछड़ा व सर्वसमाज का गठबंधन : धर्मेंद्र प्रधान

» 2022 में भाजपा के आगे कोई गठबंधन नहीं टिकेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव से पहले चुनावी मोड में चल रही भाजपा नए लक्ष्य के साथ मैदान में है। केंद्रीय मंत्री एवं उप्र विस चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने बाईपास स्थित रिवेरा रिसोर्ट में विस चुनाव संचालन समितियों की बैठक ली और कहा कि रालोद-सपा और बसपा ने 2019 में मिलकर चुनाव लड़ा, और उन्हें बड़ी शिकस्त मिली। ऐसे में 2022 में भाजपा के आगे कोई गठबंधन नहीं ठहरेगा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना और हर घर तक नल पहुंचाने पर काम हो रहा है। कोरोना काल में केंद्र एवं उप्र सरकार की उपलब्धियों को बयां किया, कहा कि 80 फीसदी लोगों को सरकार ने मुफ्त राशन दिया।

जिन्ना के सवाल पर कहा कि जिनके पास कोई मुद्दा नहीं, वो जिन्ना का जाप करते हैं। सीएए कानून की वापसी की मांग पर कहा कि इस बार गरीब कल्याण और विकास चुनावी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी और राज्य की योगी सरकार ने विकास कार्यों को बड़ी गति दी है। सरकार गरीबों के विकास और कल्याण के मुद्दे पर चुनावों में उतरेगी। हमारा गरीबों, पिछड़ों व सर्वसमाज के साथ गठबंधन है। तीनों कृषि कानूनों की वापसी के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने को लेकर अड़े किसान मोर्चा पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि लोकतंत्र में सभी अपनी बात रखते हैं। केंद्र सरकार ने सात सालों में किसानों का जितना हित किया, उतना कभी किसी सरकार ने नहीं किया। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 2014 तक गन्ना किसानों की हालत खराब थी। 400 करोड़ का इथेनाल बेचा जाता था, जो अब बढ़कर 20 हजार करोड़ तक पहुंच गया। यह धन किसानों के खाते में गया। उन्हें सम्मान निधि भी दी जा रही है। सरकारी केन्द्रों पर धान और गेहूं की खरीद की गई। कुसुम योजना के तहत किसानों को सोलर पंप दिए गए। किसान बीमा योजना में बदलाव किया गया।

विभाजन रद्द करके ही मिटेगा दर्द : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा देश का विभाजन कभी ना मिटने वाली वेदना है। उन्होंने कहा कि इसका निराकण तभी होगा, जब ये विभाजन निरस्त होगा। भारत के विभाजन में सबसे पहली बलि मानवता की ली गई। नोएडा में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में शिरकत करने आए भागवत ने कहा कि विभाजन कोई राजनीतिक प्रश्न नहीं है, बल्कि यह अस्तित्व का प्रश्न है। भारत के विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार ही इसलिए किया गया, ताकि खून की नदियां ना बहें, लेकिन उसके उलट तब से अब तक कहीं ज्यादा खून बह चुका है।

सरसंघचालक भागवत ने कहा कि भारत का विभाजन उस समय की परिस्थिति से ज्यादा इस्लाम और ब्रिटिश आक्रमण का परिणाम था। हालांकि गुरुनानकजी ने इस्लामी आक्रमण को लेकर हमें पहले ही चेताया था। उन्होंने कहा कि भारत का विभाजन कोई उपाय नहीं है, इससे कोई भी सुखी नहीं है। अगर विभाजन को समझना है, तो हमें उस समय से समझना होगा। बता दें कि सर संघचालक मोहन भागवत विभाजनकालीन भारत के साक्षी पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। किताब के लेखक कृष्णानंद सागर ने विभाजनकालीन भारत के साक्षी में देश के उन लोगों के अनकहे और अनसुने अनुभव को शामिल किया है, जो विभाजन के दर्द के गवाह हैं। किताब में विभाजन के साक्षी रहे लोगों के साक्षात्कारों का संकलन है।

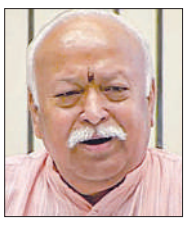

देश में दो तरह के हिंदू : मीरा कुमार

लखनऊ। लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार ने 21 सदी में भी जातीय भेदभाव पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि देश में दो तरह के हिंदू हैं। एक जो मंदिरों में प्रवेश कर सकते हैं और दूसरे जिन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं है।दलित समुदाय से आने वा ली पूर्व राजनयिक ने जयराम रमेश की पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कहा कि कई लोगों ने जातीय भेदभाव के कारण उनके पिता बाबू जगजीवन राम को हिंदू धर्म छोड़ देने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, लेकिन मेरे पिता ने कहा कि वह हिंदू धर्म को नहीं छोड़ेंगे और अपनी मौजूदा हैसियत से इस व्यवस्था से लड़ाई लड़ेंगे।

व्यापारियों का उत्पीड़न किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं : सिद्धार्थनाथ सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिर्जापुर में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित मंडलीय व्यापारी सम्मेलन में सूबे के लघु एवं सुक्ष्म उद्योग विभाग के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि पीतल उद्योग संचालन के लिए शहर से पांच किमी की परिधि में जमीन उपलब्ध कराया जाएगा। इस दिशा में एमएसएमई विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। जमीन विकसित करने के लिए विभाग ने काम भी शुरू कर दिया गया है।

मुख्य अतिथि ने कहा कि पर्यावरणीय समस्या के मद्देनजर कोर्ट शहरी आबादी से लगभग 30 किमी दूर पीतल आदि उद्योगों को ले जाने के आदेश दिए हैं। कहा कि शहर से दूरी होने की वजह से उद्यमियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लिहजा शहर से इतनी दूरी रहे कि उद्यमियों को परेशानी न हो और पर्यावरण की दुश्वारियों से भी बचा जा सके। इसलिए बीच के रास्ते पर विचार किया जा रहा है। व्यापारियों के विकास के प्रति सूबे की योगी सरकार संकल्पित है। कहा किसी अधिकारी ने व्यापारियों के खिलाफ अत्याचार किया तो उसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई जाएगी।

हुंकार रैली से अपनी शक्ति का एहसास कराएं कायस्थ : सिन्हा

» तीन दिसंबर को कायस्थ महासभा की भव्य रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने कायस्थ समाज को एकजुट करने का बिगुल फूंक दिया है। इसी क्रम में कायस्थ महासभा की एक बैठक कल देर शाम राजाजीपुरम में कोठारी बंधु स्थित स्वर्गीय पूर्व विधायक सुरेश चंद्र श्रीवास्तव के आवास पर हुई। इस बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व सांसद आरके सिन्हा व विशिष्ट अतिथि पूर्व नेता विधान परिषद विंध्यावासिनी कुमार थे। राष्ट्रीय कवि सौरभ श्रीवास्तव ने बैठक की शुरूआत अपने उद्बोधन से की।

कार्यक्रम की शुरुआत से पहले सभी अतिथियों ने भगवान चित्रगुप्त के चित्र पर माल्यार्पण व आरती किया। दीप प्रज्वलन कर स्वर्गीय सुरेश चंद्र श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि भी दी। बैठक को संबोधित करते हुए आरके सिन्हा ने कहा आगामी 3 दिसंबर को देश रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर ईको गार्डन में एक भव्य रैली होगी। रैली में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय शामिल होंगे। इसलिए इस हुंकार रैली को सफल बनाए। एकजुट होकर समाज की ताकत दिखाए। उन्होंने कहा कायस्थ कभी किसी पर अत्याचार नहीं करता इसलिए शांति व सद्भाव के जरिए समाज में सकारात्मकता का संदेश फैलाए। सिन्हा ने कहा उत्तर ही नहीं, दक्षिण भारत में भी कायस्थ समाज का डंका है, इसलिए अपने समाज के प्रति दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि समाज को उचित दशा व दिशा तय करने के लिए राजनीतिक भागीदारी की आवश्यकता है। कायस्थ महासभा के लोग अपनी शक्ति का एहसास कराएं और राजनीतिक दलों को यह महसूस हो कि बिना कायस्थ समाज से उनकी चलने वाली नहीं है। बैठक में महासभा के जिलाध्यक्ष पवन भास्कर, महासचिव राजेश श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष ईशान निगम सहित समाज के प्रबुद्ध लोग मौजूद थे।

ऋतुराज भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री

भाजपा ने बिहार इकाई के पूर्व मंत्री रहे ऋतुराज सिन्हा को पार्टी का राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण कुमार सिंह ने ऋतुराज को यह दायित्व सौंपा है। ऋतुराज इससे पहले बिहार भाजपा में नित्यानंद राय की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश मंत्री रह चुके हैं।

अपनों के ही निशाने पर हैं प्रियंका गांधी?

छह महीने के अंदर यूपी के दस बड़े कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी छोड़ी

» छह नेताओं ने सपा, दो ने भाजपा और दो ने टीएमसी का थामा दामन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सोनिया गांधी के गढ़ रायबरेली से विधायक अदिती सिंह ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली है। पिछले छह महीने के अंदर 10 बड़े कांग्रेसी नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। इनमें छह नेताओं ने समाजवादी पार्टी, दो ने भाजपा और दो ने टीएमसी का दामन थाम लिया है।

विधान सभा चुनाव से ठीक पहले एक के बाद एक कई दिग्गज नेताओं का पार्टी छोड़ना कांग्रेस के लिए अच्छा संदेश नहीं है। सवाल ये भी उठ रहा है कि आखिर कौन है जो कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है? कभी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहने वाली समाजवादी पार्टी और टीएमसी क्यों कांग्रेस के नेताओं को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल करा रहे हैं? क्या ये प्रियंका गांधी को कमजोर करने की कोई राजनीतिक रणनीति है? आइए जानते हैं इस पर्दे के पीछे की पूरी कहानी?

क्या कहते हैं राजनीतिक विशेषज्ञ

यूपी की राजनीति पर अच्छी पकड़ रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक सिंह कहते हैं प्रियंका गांधी ने अपने दम पर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत किया। उनके चुनावी वादों की चर्चा पूरे यूपी में होने लगी है। हां, ये बात अलग है कि इसका कोई खास असर चुनाव में देखने को नहीं मिलेगा, लेकिन भविष्य के लिए ये अच्छा कदम है। वे आगे कहते हैं कि प्रियंका अब खुलकर यूपी से जुड़े फैसलों को लेने लगी हैं। इससे पार्टी के पुराने और बड़े नेता खुद को अलग-थलग महसूस करने लगे हैं। पार्टी में अंदर तक हलचल है। ऐसे में कई नेता खुद ही कांग्रेस को कमजोर करने में जुट गए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर इस समय पार्टी मजबूत होती है तो इसका श्रेय केवल और केवल प्रियंका गांधी को मिलेगा। वहीं अगर कांग्रेस बुरी तरह हारती है तो प्रियंका गांधी के राजनीतिक कॅरियर को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचेगा।

1. जितिन प्रसाद

राहुल गांधी के करीबी और मनमोहन सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री रहे जितिन प्रसाद ने सबसे पहले कांग्रेस छोड़ी। भाजपा जॉइन करने के बाद जितिन अब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। जितिन प्रसाद ने कांग्रेस छोड़ने के दौरान कहा था, मैंने कांग्रेस किसी व्यक्ति के चलते या किसी पद के लिए नहीं छोड़ी। मेरे कांग्रेस छोड़ने का कारण यह था कि पार्टी और लोगों के बीच संपर्क टूट गया था और यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी का वोट प्रतिशत कम होता जा रहा है।

2. राजाराम पाल

पिछले दिनों कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व सांसद राजाराम पाल ने पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। इसके बाद उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी के लिए मेरा खून भी समर्पित है। सपा के विजय रथ को आगे बढ़ाने में मेरा शरीर काम आया तो लगा दूंगा।

3. राजेशपति त्रिपाठी

पूर्व मुख्यमंत्री पं. कमलापति त्रिपाठी के बेटे और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे राजेशपति त्रिपाठी भी पार्टी छोड़ चुके हैं। राजेश कांग्रेस से एमएलसी भी रहे। पूर्वांचल के ब्राह्मण वोटर्स में राजेशपति की अच्छी पकड़ मानी जाती है। राजेशपति अब तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं।

4. ललितेशपति त्रिपाठी

मिर्जापुर के मड़िहान से कांग्रेस के विधायक रह चुके ललितेशपति त्रिपाठी ने भी अपने पिता राजेश पति त्रिपाठी के साथ पार्टी छोड़ दी थी। ललितेश भी अब तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं।

5. हरेंद्र मलिक

पूर्व सांसद और प्रियंका गांधी के सलाहकार समिति के सदस्य रहे हरेंद्र मलिक भी कांग्रेस छोड़कर समाजवादी हो चुके हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हरेंद्र की अच्छी पकड़ मानी जाती है।

6. पंकज मलिक

पूर्व विधायक और हरेंद्र मलिक के बेटे पंकज मलिक ने भी अब समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवाओं के बीच पंकज की अच्छी पकड़ है।

7. गयादीन अनुरागी

हमीरपुर के राठ से पूर्व विधायक गयादीन अनुरागी भी अब समाजवादी हो चुके हैं। गयादीन ने पिछले दिनों सपा मुखिया अखिलेश यादव की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ले ली थी। 2012 में कांग्रेस के टिकट से राठ विधानसभा क्षेत्र से गयादीन विधायक चुने गए थे।

8. विनोद चतुर्वेदी

जालौन के उरई से विधायक रहे विनोद चतुर्वेदी प्रियंका गांधी के सलाहकार समिति के सदस्य भी थे। उन्हें बुंदेलखंड में कांग्रेस का बड़ा चेहरा माना जाता था। कांग्रेस ने तीन बार उन्हें कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बनाया और एक बार पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी दी। विनोद अब सपा का दामन थाम चुके हैं।

9. मनोज तिवारी

महोबा में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे मनोज तिवारी भी अब समाजवादी हो गए हैं। मनोज के पिता बाबूलाल तिवारी पांच बार कांग्रेस से विधायक रहे।

10. अदिती सिंह

रायबरेली की विधायक अदिती सिंह ने बुधवार को ही कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी जॉइन की है। सोनिया गांधी के गढ़ से कांग्रेस का बड़ा चेहरा अलग होना बड़ा झटका है।

चुनाव से पहले सबसे ज्यादा टूट झेल रही बसपा दिग्गज भी छोड़ रहे साथ

अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा पर पार्टी नेताओं को एकजुट रखना चुनौती

» आधे से अधिक विधायक दूसरे दलों में हो गए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले बसपा सबसे ज्यादा टूटने वाली पार्टी बनती जा रही है। जनाधार रखने वाले बड़े नेताओं के पार्टी छोड़कर जाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बसपा विधान मंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली भी अपने सभी पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में अपने दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी बसपा प्रमुख मायावती के सामने अपने दल के नेताओं को एकजुट रखने की चुनौती भी है।

2017 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में 403 में से बसपा ने 19 सीटें जीती थीं। निष्कासन और पार्टी छोड़ने की वजह से विधान सभा में बसपा के अब महज चार से पांच विधायक ही बचे हैं। जीते हुए 19 में विधायकों में से असलम राईनी, असलम अली चौधरी, मुज्तबा सिद्दिकी, हाकिल लाल बिंद, हरगोविंद भार्गव, सुषमा पटेल, वंदना सिंह, लालजी वर्मा, रामचल राजभर, रामवीर उपाध्याय, अनिल सिंह, शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली अब पार्टी का हिस्सा नहीं हैं जबकि आजमगढ़ के दीदारगंज विधान सभा क्षेत्र से विधायक रहे सुखदेव राजभर का इसी साल 18 अक्टूबर को लखनऊ में निधन हो गया था। वहीं प्रदेश विधान परिषद में पार्टी के अभी दो और राज्य सभा में भी इतने ही सदस्य हैं। इसी साल हुए पंचायत चुनाव के बाद मायावती ने विधान मंडल दल के नेता लालजी वर्मा और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव राम अचल राजभर को पार्टी से निकाल दिया था। ये दोनों वे नेता थे जो 2017 में भाजपा की लहर में भी अपनी सीट बचाने में सफल रहे थे। लालजी वर्मा अंबेडकरनगर के कटेहरी और राजभर अकबरपुर विधान सभा सीट से विधायक हैं। दोनों नेता बसपा के साथ कांशीराम के जमाने से थे। हालांकि मायावती पहले ही कह चुकी हैं उनकी पार्टी 2022 का चुनाव अकेले लड़ेगी। उनका यह भी दावा है कि उनकी पार्टी 2022 में 2007 का प्रदर्शन दुहराएगी। शायदी यही वजह है कि बसपा का फोकस एक बार फिर ब्राह्मण वोटरों पर ज्यादा है। प्रदेशभर में हुए ब्राह्मण सम्मेलन इसकी ओर इशारा कर रहे हैं। 2007 के विधान सभा चुनाव में बसपा ने 403 में से 86 विधान सभा सीटों पर ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे थे और 41 सीटों पर उसे जीत हासिल हुई थी। तब बसपा ने 403 में से 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी।

कई नेता सपा में शामिल

इस जनवरी से अब तक कई दिग्गज नेता बसपा छोड़ चुके हैं। इसी साल जुलाई में दो बार विधायक रहे डॉ. धर्मपाल सिंह वापस सपा में चले गए। एक समय बसपा के वरिष्ठ नेताओं में शुमार कुंवरचंद वकील भी सपा में शामिल हो गए। इसी तरह जनवरी में बसपा नेता सुनीता वर्मा, पूर्व मंत्री योगेश वर्मा सहित कई नेता बसपा छोड़ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। बसपा विधायक मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिब्गातुल्लाह अंसारी अपने समर्थकों के साथ सपा में शामिल हो गए। सिब्गातुल्लाह अंसारी मोहम्मदाबाद विधान सभा क्षेत्र से 2007 में सपा और 2012 में कौमी एकता दल से विधायक रहे। 2017 में बसपा से मैदान में उतरे थे लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उनके साथ बसपा नेता अंबिका चौधरी भी घर वापसी करते हुए साइकिल पर सवार हो गए।

गठबंधन में भी पीछे

आगामी विधान सभा चुनाव से पहले बसपा एक नहीं, कई समस्याओं से जूझ रही है। 2022 के चुनाव को देखते हुए बड़ी पार्टियां छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन कर रही हैं, इसमें समाजवादी पार्टी सबसे आगे है। सपा इस चुनाव में ओमप्रकाश राजभर की पार्टी के बाद जयंत चौधरी की आरएलडी के साथ गठबंधन करने के नजदीक है जबकि आम आदमी पार्टी और अपना दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बातचीत शुरू हो गई है। इतना ही नहीं सूबे के तमाम छोटे दलों को भी अखिलेश यादव अपने साथ मिलाने की मुहिम में जुटे हैं। इस रेस में मायावती की पार्टी बसपा कहीं नहीं है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्रदेश में अपराध का बढ़ता ग्राफ

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई जबकि मथुरा में एक युवती से रेप किया गया। ये घटनाएं ये बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश में कानून व्यवस्था का हाल क्या है। सच यह है कि यहां आए दिन हत्या, लूट, रेप और छेड़छाड़ की घटनाएं हो रही हैं और पुलिस इस पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रही है। सवाल यह है कि अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के बावजूद प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या अपराधियों के मन से खाकी का भय समाप्त हो चुका है? सरकार के तमाम दावों के बावजूद अपराधों पर नियंत्रण क्यों नहीं लग पा रहा है? क्या पुलिस की लापरवाही के चलते हालात दिनोंदिन बिगड़ते जा रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद अपराधियों को कहां से शह मिल रही है? क्या लोगों को अपराध मुक्त समाज देने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है?

प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। वे लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली है। तमाम गंभीर अपराधों के पीछे पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है। इलाहाबाद में चार लोगों की हत्या के मामले में भी यही बात सामने आयी है। परिजनों की शिकायत के बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। लिहाजा इतनी बड़ी घटना घट गयी। सच तो यह है कि थानों में अपराध कम दिखाने के लिए पुलिस तमाम शिकायतों को दर्ज करने से कतराती है। कई बार पीड़ित पर आरोपियों से समझौता करने का दबाव तक बनाया जाता है। यही नहीं कई बार पुलिस खुद अपराधों में लिप्त पायी गयी है। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। पुलिस और अपराधियों की इसी मिलीभगत के कारण हालात दिनोंदिन बिगड़ते जा रहे हैं। यह स्थिति तब है जब सरकार ने अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति घोषित कर रखी है। कई अपराधियों के एनकाउंटर भी किए गए बावजूद इसके खाकी का खौफ अपराधियों के मन से खत्म हो चुका है। अपराधियों को खोजने और उसे सलाखों के पीछे पहुंचाने में पुलिस को पसीने छूट जाते हैं। स्थानीय खुफिया तंत्र बेमानी हो चुका है। लिहाजा संगठित अपराधों की भनक तक पुलिस को नहीं लग पाती है। जाहिर है सरकार यदि कानून व्यवस्था को बेहतर करना चाहती है तो उसे न केवल पुलिस तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा बल्कि उसे प्रोफेशनल भी बनाना होगा। एक दक्ष और प्रोफेशनल पुलिसिंग के बिना अपराधियों को नियंत्रित करना मुश्किल होगा। साथ ही दागी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी।

“ सवाल यह है कि अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के बावजूद प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या अपराधियों के मन से खाकी का भय समाप्त हो चुका है? सरकार के तमाम दावों के बावजूद अपराधों पर नियंत्रण क्यों नहीं लग पा रहा है? क्या पुलिस की लापरवाही के चलते हालात दिनोंदिन बिगड़ते जा रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संविधान निर्माताओं की अपेक्षाएं और हम

कृष्ण प्रताप सिंह

'हम भारत के लोग भारत को एक प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए...' 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा के जरिये अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित भारत के संविधान की प्रस्तावना पहले इन्हीं शब्दों से शुरू होती थी। 26 जनवरी, 1950 को इसके लागू होने के कोई पच्चीस साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक सुरक्षा को खतरे के नाम पर देश पर इमरजेंसी थोप दी और सारे नागरिक अधिकार छीनकर संवैधानिक मूल्यों व नैतिकताओं को पहला गम्भीर संकट पैदा किया तो संसद में 42वां संविधान संशोधन लाकर इस प्रस्तावना के 'प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य' वाले अंश को 'सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष गणराज्य' से प्रतिस्थापित कर दिया।

तब से अब तक समय-समय पर संविधान में सौ से ज्यादा संशोधन किये जा चुके हैं लेकिन उसकी प्रस्तावना का यह रूप अपरिवर्तित चला आ रहा है। यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसे डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्थायी अध्यक्षता वाली संविधान सभा ने दो वर्ष ग्यारह महीने और 18 दिनों की लम्बी प्रक्रिया में बनाया। राजेन्द्र प्रसाद चाहते थे कि संविधान को अंग्रेजी की ही तरह हिन्दी में भी आधिकारिक रूप से प्रस्तुत किया जाये लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया और अंग्रेजी में लिखित आधिकारिक संविधान का बाद में हिन्दी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद कराया गया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में अपने समापन भाषण में कहा था, 'आखिरकार, एक मशीन की तरह संविधान भी निर्जीव है। इसमें प्राणों का संचार उन व्यक्तियों द्वारा होता है जो इस पर नियंत्रण करते हैं तथा इसे चलाते हैं। भारत को ऐसे लोगों की जरूरत है जो ईमानदार हों और देश के हित को सर्वोपरि रखें।' उन्हीं की तरह बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भी, जो प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे, संविधान के अधिनियमित, आत्मार्पित व अंगीकृत होने से ऐन पहले, 25 नवम्बर, 1949 को उसे 'अपने सपनों का' अथवा 'तीन लोक से न्यारा' मानने से इनकार कर दिया था। विधि मंत्री के तौर पर अपने पहले ही साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि यह संविधान अच्छे लोगों के हाथ में रहेगा तो अच्छा सिद्ध होगा, लेकिन बुरे हाथों में चला गया तो इस हद तक नाउम्मीद कर देगा कि 'किसी के लिए भी नहीं' नजर आयेगा। उनके शब्द थे, 'मैं महसूस करता हूं कि संविधान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि वे

लोग, जिन्हें संविधान को अमल में लाने का काम सौंपा जाये, खराब निकले तो निश्चित रूप से संविधान खराब सिद्ध होगा।' उन्होंने चेताया था कि 'संविधान पर अमल केवल संविधान के स्वरूप पर निर्भर नहीं करता। संविधान केवल विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे राज्य के अंगों का प्रावधान कर सकता है। उन अंगों का संचालन लोगों पर तथा उनके द्वारा अपनी आकांक्षाओं तथा अपनी राजनीति की पूर्ति के लिए बनाये जाने वाले राजनीतिक दलों पर निर्भर करता है।' फिर उन्होंने जैसे खुद से सवाल किया था कि आज की तारीख में, जब हमारा सामाजिक मानस अलोकतांत्रिक है और राज्य की प्रणाली लोकतांत्रिक, कौन कह सकता है कि भारत के लोगों तथा राजनीतिक दलों का भविष्य का व्यवहार कैसा होगा?' परस्पर विरोधी विचारधाराएं रखने वाले राजनीतिक दल जातियों व सम्प्रदायों के हमारे पुराने शत्रुओं के साथ मिलकर कोढ़ में खाज न पैदा कर सकें, इसके लिए उन्होंने सुझाया था कि सारे भारतवासी देश को अपने पंथ से ऊपर रखें, न कि पंथ को देश से ऊपर। साथ ही चेतावनी भी दी थी कि 'यदि राजनीतिक दल अपने पंथ को देश से ऊपर रखेंगे तो हमारी स्वतंत्रता एक बार फिर खतरे में पड़ जायेगी। उनके अनुसार संविधान लागू होने के साथ ही हम अंतर्विरोधों के नये युग में प्रवेश कर गये थे और उसका सबसे बड़ा अंतर्विरोध था कि वह एक ऐसे देश में लागू हो रहा था, जिसे उसकी मार्फत नागरिकों की राजनीतिक समता का उद्देश्य तो प्राप्त होने जा रहा था लेकिन आर्थिक व सामाजिक समता कहीं दूर तक दिखाई नहीं दे रही थी। 'एक व्यक्ति-एक वोट' की व्यवस्था को हरसंभव समानता तक ले जाया जाना था ताकि संविधान के स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुता जैसे उदात्त मूल्यों को कभी कोई अंदेशा न पैदा हो। वे मूल उद्योगों को सरकारी नियंत्रण में और निजी पूंजी को समता के बंधन में कैद रखना चाहते थे ताकि आर्थिक संसाधनों का ऐसा अहितकारी संकेन्द्रण कतई नहीं हो, जिससे नागरिकों का कोई समूह लगातार शक्तिशाली और कोई समूह लगातार निर्बल होता जाये। बेहतर होगा कि हम उस आईने के समक्ष खड़े हो जो दिखा सके कि हम संविधान में की गई अपेक्षाओं पर कितने खरे उतरे हैं?

तेल की कीमत कम करने की कोशिश

उत्तम कुमार सिन्हा

अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की बढ़ी कीमतों पर काबू पाने के लिए अमेरिका, चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया ने अपने संरक्षित रणनीतिक तेल भंडार से आपूर्ति करने का फैसला लिया है। विभिन्न देश ऐसा भंडारण आपात स्थितियों के लिए करते हैं। भारत पहली बार अपने इस भंडार से तेल निकाल रहा है। हमारे देश में 2005 में ऐसे भंडार की स्थापना पर विचार शुरू हुआ था और उस पर सैद्धांतिक सहमति बनी थी। इसका आधार यह था कि ऊर्जा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय भी है। इसका उद्देश्य भविष्य में किसी युद्ध या आपूर्ति संकट की स्थिति में ऐसे भंडारण से अपनी तात्कालिक आवश्यकताएं पूरी करने का था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद उस पर व्यावहारिक अमल शुरू हुआ और फिलहाल भारत में ऐसे तीन रणनीतिक भंडार हैं। इन भंडारों में अभी लगभग 5.33 मिलियन टन यानी करीब 38 मिलियन बैरल कच्चा तेल संग्रहित है। इनमें से पांच मिलियन बैरल तेल बाजार में लाने की चर्चा है। अमेरिका, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया भी अपने स्तर पर आपूर्ति करेंगे। इसके पीछे वित्तीय चिंताएं अहम हैं। इस वित्त वर्ष में वित्तीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 6.8 फीसदी तक सीमित रखने का लक्ष्य है लेकिन तेल की कीमतें इसी तरह उच्च स्तर पर बनी रहीं, तो इस लक्ष्य को पूरा कर पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कच्चे तेल की आपूर्ति का यह निर्णय उन देशों ने सामूहिक रूप से लिया है जो तेल के सबसे बड़े आयातक देश हैं। एक प्रकार से यह तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक प्लस के बरक्स बड़े खरीदार देशों का समूह बन गया है, जिसमें भारत के अलावा अमेरिका, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। ओपेक प्लस के देश अपने हितों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतों को नियंत्रित करते हैं। ये जो पांच देश हैं, वे संयुक्त रूप से 60 से 61 प्रतिशत तेल की खरीद करते हैं। ओपेक प्लस का कारोबार और मुनाफा बहुत अधिक इन्हीं देशों के उपभोग पर निर्भर है। अगर इनमें से अमेरिका को हटा दें तो अन्य चार देश एशिया से हैं। खरीद में अमेरिका की 12 फीसदी हिस्सेदारी है। इस हिसाब से लगभग आधी अंतरराष्ट्रीय खरीद इन चार एशियाई देशों द्वारा की जाती है। इससे यह भी इंगित होता है कि वैश्विक स्तर पर जो वृद्धि है, वह मुख्य रूप से एशियाई देशों द्वारा संचालित है, जिसमें चीन और भारत की अग्रणी भूमिका है।

चीन लगभग कुल आयात का 25-26 फीसदी तेल आयात करता है और भारत की खरीदारी 9-10 प्रतिशत के आसपास है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और चीन पहले पायदान पर है। इस समूह के साथ आने से ओपेक प्लस की ताकत को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। यह भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि भारत और चीन के संबंध अभी अच्छे नहीं हैं तथा अमेरिका और चीन के बीच भी मतभेद की स्थिति है लेकिन तेल की स्थिति को लेकर ये सभी देश साथ आये हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में ऐसे अवसर आते हैं, जब विभिन्न देश आपसी रंजिशों को किनारे रख मौजूदा जरूरतों को देखते हुए एक साथ आ जाते हैं। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक दीर्घकालिक दृष्टि होती है और दूसरी तात्कालिक स्थितियों या कुछ समय के हिसाब से तय होती है। दीर्घकालिक दृष्टि से देखें, तो ऊर्जा से संबंधित चुनौतियों से निपटने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि हम जीवाश्म आधारित ईंधनों पर अपनी निर्भरता को कम करें और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ें। हमें स्वच्छ ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा आदि के बारे में ठोस कदम उठाने होंगे लेकिन अभी हमें तेल और प्राकृतिक गैसों की बड़ी जरूरत है। हाल ही में संपन्न हुए ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में भारत और चीन ने कोयला के उपयोग को रोकने से जुड़े समझौते के प्रारूप में उल्लिखित प्रावधान में संशोधन कराया और उसमें अंतिम रूप से यह लिखा गया कि ऊर्जा के लिए कोयला पर निर्भरता में क्रमशः कमी की जायेगी। यही सहयोग हम तेल के बारे में भी देख रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण इन चीजों का उपभोग कम हो गया था और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इनके दाम काफी गिर गये थे लेकिन औद्योगिक और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आने तथा अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी के कारण पेट्रोलियम पदार्थों की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में तेल उत्पादक देश भी फायदा उठाने की ताक में हैं। ऊर्जा स्रोतों की आपूर्ति का संबंध भू-राजनीतिक समीकरणों से भी होता है। तेल उत्पादक देशों के समूह के नेता के रूप में सऊदी अरब और बड़ा उत्पादक होने के नाते रूस बाजार पर अपने नियंत्रण को बरकरार रखना चाहते हैं। अमेरिका, भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के एक साथ आने और अपने रणनीतिक भंडार से आपूर्ति करने के निर्णय से निश्चित ही उत्पादक देशों पर दबाव बढ़ेगा। ऐसी उम्मीद की जा सकती है कि वे जल्दी ही आपूर्ति बढ़ाकर कीमतों को नीचे लाने में योगदान करेंगे। रणनीतिक भंडार होने से हमें कुछ दिनों का समय मिल गया है कि बढ़े हुए दाम को एक हद तक नीचे लाया जा सके। मुद्रास्फीति बढ़ने की समस्या भी गंभीर हो जाती है. हमें संतोष होना चाहिए कि वर्तमान सरकार ने सक्रियता से व्यावहारिक पहल करते हुए रणनीतिक तेल भंडारण की व्यवस्था की। यदि पहले से ही ऐसा नहीं किया जाता तो हमारे पास महंगा तेल आयात करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचता। भारत तेल उत्पादक देशों से बेहतर तालमेल बैठा पाने की स्थिति में है। जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिरता आ जायेगी।

सर्दियों में इम्यून सिस्टम मजबूत करेंगे ये लड्डू

ठंड के मौसम में गर्म तासीर का खानपान जरूरी होता है, जिससे शरीर सर्दी के प्रकोप व विभिन्न संक्रमणों से बचा रहे और इम्युनिटी बने मजबूत। आइए जानते हैं कि इन दिनों क्यों अच्छा रहता है आयुर्वेदिक नुस्खों से बने व औषधीय गुणों से भरपूर लड्डुओं का सेवन...महान भारतीय परंपरा व आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से विकसित हुआ च्यवनप्राश आज संपूर्ण विश्व में इम्युनिटी बाने के लिए स्वीकार किया जा रहा है। देशकाल और परिस्थितियों के अनुसार समय-समय पर विभिन्न चिकित्सा पद्धतियां रोग निवारक बनकर उभरीं। आयुर्वेद जीवनशैली पर आधारित चिकित्सा पद्धति है। इसमें ऋतु के अनुसार खानपान अपनाने को कहा गया है। आयुर्वेद के अनुसार वात, कफ और पित्त में संतुलन बना रहे तो आपका शरीर रोगमुक्त रहेगा। आयुर्वेद में मौसम के अनुकूल खानपान के जरिए इन तीनों में संतुलन बिठाने पर जोर दिया गया है। इस चिकित्सा पद्धति की आज पूरी दुनिया सराहना कर रही है। हमारा शरीर हर मौसम के हिसाब से प्रभावित होता है।

इसीलिए विभिन्न भौगोलिक परिवेश के अनुसार खानपान की परंपरा भी शुरू हुई। सर्दियों के मौसम में खाए जाने वाले विभिन्न जड़ी-बूटियों, मसालों, मेवों, गुड़ व घी आदि से बने लड्डुओं को आयुर्वेद में औषधि माना गया है। अलसी, तिल, मेवों, सोंठ, हल्दी आदि से बनने वाले ये लड्डू औषधीय गुणों के कारण न सिर्फ ठंड, संक्रमण व बीमारियों से शरीर की रक्षा करते हैं, बल्कि इनका सेवन विभिन्न बीमारियों के उपचार में भी होता है। हालांकि इनका सीमित सेवन करना ही उचित रहता है। इन लड्डुओं का सेवन शाम के समय दूध के साथ ठीक से चबाकर किया जाए तो अधिक फायदा मिलता है, क्योंकि आयुर्वेद में दूध को 'जीवनीय' कहा गया है।

गुणकारी है अलसी

अलसी के बीजों को भूनकर बारीक पीस लेते हैं और इसमें अलसी से आधा या तिहाई भाग भुना आटा व आवश्यकतानुसार सोंठ, अजवाइन, इलायची, जावित्री, मखाना आदि मिलाकर गुड़ के पाग से लड्डू बनाते हैं। इन लड्डुओं का सेवन जोड़ों का दर्द, हड्डियों की कमजोरी, कब्ज, सर्दी में होने वाला सिरदर्द, अनियंत्रित कोलेस्ट्राल की समस्या, नर्वस सिस्टम की कमजोरी आदि को दूर करता है। इसके सेवन से आंतरिक गरमाहट मिलती है और मौसमी सर्दी, जुकाम व खांसी से बचाव होता है।

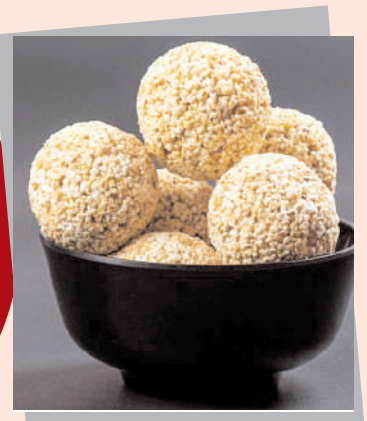

तिल है इंद्रय रसायन

तिल को आयुर्वेद में 'इंद्रय रसायन' कहा जाता है। यह इतना गुणकारी है कि इसमें गुड़ के पाग के अतिरिक्त किसी अन्य चीज को मिलाने की जरूरत ही नहीं होती है। तिल को भूनकर इसके लड्डू गुड़ के पाग के साथ बनाएं। इनका सेवन सर्दी के प्रभाव को समाप्त करता है और आंख, नाक, कान, दांत आदि की समस्याएं दूर होती हैं। पेशाब संबंधी कई तरह के संक्रमण में भी इसका सेवन बहुत लाभदायक होता है।

आयुर्वेद का एंटीबायोटिक हरीरावत

हरीरा के लड्डू (विभिन्न मेवों और मसालों से तैयार होने वाले) बनाने के साथ ही इसे तरल रूप में बनाया जाता है। सदियों से प्रसवकाल के बाद महिलाओं को इसका सेवन कराया जा रहा है। वास्तव में हरीरा आयुर्वेद का एंटीबायोटिक है। आयुर्वेद के अनुसार जन्म देने के बाद यदि प्रसूता को 40 दिन तक दूध और हरीरा के लड्डुओं का सेवन कराया जाए तो रक्त अल्पता व पेट की परेशानियों के साथ ही अन्य सभी शारीरिक समस्याओं का निवारण होता है। सर्दियों में हरीरा के लड्डू का सेवन सभी को करना चाहिए। इसे तैयार करने में सोंठ, अजवाइन, पिपरामूल, बादाम, मखाना, गरी, गोंद, तेल, घी आदि का प्रयोग किया जाता है। आवश्यकतानुसार इन सभी चीजों को गुड़ के पाग के साथ मिलाकर लड्डू तैयार किए जाते हैं।

हर रोग की दवा हल्दी

विभिन्न शोधों से यह साबित हो चला है कि हल्दी का सेवन शरीर के लिए बहुत लाभदायक होता है। हल्दी के औषधीय गुणों की बात करें तो यह सर्दी-जुकाम से बचाने के साथ ही कई तरह के संक्रमण से भी शरीर की रक्षा करती है। भुने हुए आटे के साथ आवश्यकतानुसार घी, गुड़ का पाग, सोंठ और इसका 10वां भाग हल्दी मिलाकर लड्डू तैयार करें। इसके सेवन से सर्दियों संबंधी समस्याओं से बचाव होता है।

पोषक तत्वों का खजाना

आयुर्वेदिक नुस्खों से बनने वाले विभिन्न प्रकार के ये औषधीय लड्डू पोषक तत्वों का खजाना हैं। हल्दी, अलसी, तिल, मेवे, गुड़, पिपरामूल, जावित्री आदि एंटीआक्सीडेंट, एंटीफंगल व एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हैं। इनमें मैग्नीशियम, सेलेनियम, विटामिंस, मिनरल्स, पोटेशियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, आयरन, कापर आदि पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो संक्रमणों से बचाव करने के साथ शरीर को पुष्ट करते हैं।

क्या होती है तासीर

आयुर्वेद में खानपान तासीर के हिसाब से बताया गया है। तासीर अरबी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है ठंडा या गर्म। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के अनुसार मौसम या तापमान का शरीर पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए किस मौसम में कौन सी चीज खानी है और किस चीज से परहेज करना है, इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

हंसना मना है

ट्रेन में लिखा था, बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री होशियार! उसी ट्रेन में चिंटू भी जा रहा था उसने ये लाइन पढ़ी और बोला- वाह, जो टिकट न खरीदें वो वो होशियार, हमने जो खरीद के रखी है तो हम बेवकूफ हैं क्या?

पिता: पेपर कैसा गया? बेटा: पहला सवाल छूट गया, तीसरा आता नहीं था, चौथा करना भूल गया, पांचवां नजर नहीं आया! पिता: और सवाल दो? बेटा: बस सिर्फ वो ही गलत हो गया।

गोलू: तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो? भोलू: एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था...

पिताजी डांटते हुए बोल: राजू तुम्हें फूल तोड़ लाने को कहा था और तुम पूरी डाली तोड़ लाए, जल्दी बोलो क्यों? राजू: पिताजी, वहां लिखा था कि फूल तोड़ना मना है, इसलिए मैं डाली सहित तोड़ लाया...

रमेश: तुम्हें मेरे अंदर सबसे अच्छी बात क्या लगती है? पिंकी: लोग समय के साथ बदल जाते हैं लेकिन तुम नहीं बदले,रमेश: वह कैसे? लड़की: जब मैं तुमसे मिली थी तब भी बेरोजगार थे और आज भी बेरोजगार हो...

कहानी — किसके लिए?

एक दिन अकबर दरबार में आये, तो वह बहुत गुस्से में थे। कोई कुछ भी पूछता तो वह गुस्से में ही उत्तर देते। दरबारी समझ गये कि आज बादशाह का मूड ठीक नहीं है। दरबार समाप्त होने पर बीरबल ने अकबर से उनके गुस्से का कारण पूछा। अकबर ने कहा, अरे, छोड़ो न इस बात को! मेरा दामाद बड़ा पाजी है। मैं गुस्सा न करूं तो क्या करूं? हमेशा उल्टी-सीधी हरकतें करता रहता है। अब देखो न, अपनी बेटी से मिले हुए मुझे एक वर्ष हो गया है। फिर भी मेरा दामाद उसे नहीं भेजता। अकबर ने गुस्से से कहा। जहांपनाह, इसमें इतना नाराज होने वाली क्या बात है ? मैं आज ही बेटी को लाने के लिए आदमी भेज देता हूं। आदमी तो मैंने भी भेजा था, पर दामाद मानता ही नहीं। वास्तव में यह दामाद जाति होती ही बहुत खराब है। अब तुम एक काम करो। मैदान में कुछ सूलियां तैयार करवाओ। हम अपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ा देंगे। बीरबल ने बादशाह अकबर को बहुत समझाया फिर भी उनका गुस्सा शान्त नहीं हुआ। वह कोई बात सुनने को तैयार नहीं थे। आखिरकार बीरबल ने एक मैदान में कुछ सूलियां तैयार करा दी। जब बीरबल अकबर को मैदान में सूलियां दिखाने ले गये, तो सूलियां देखकर बादशाह को तसल्ली हो गयी। वह बोले ठीक है, अब मैं अपने राज्य से दामादों का नामोनिशान मिटा दूंगा। इतने में एक सोने और एक चांदी की सूलियों पर अकबर की नजर पड़ी तो वे चौंके। उन्होंने बीरबल से पूछा, अरे बीरबल, तुमने ये दो कीमती सूलियां किसके लिए बनावायी हैं ? बीरबल ने सिर झुकाकर कहा, हुजूर! सोने की सूली आपके लिए और चांदी की मेरे लिए। बादशाह अकबर सोच में पड़ गये। उन्होंने बीरबल से कहा, मैंने तुम्हें ऐसा करने के लिए कब कहा था ? हम दोनों को सूलियों पर थोड़े ही चढ़ना है ? जहांपनाह! आपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ाने के लिए कहा था। आप और मैं भी तो किसी के दामाद हैं। यदि सभी दामाद सूलियों पर चढ़ाए जाएंगे, तो हम भी कहां बच पाएंगे ? आप बादशाह हैं, इसलिए आपके लिए सोने की सूली बनवायी और मैं आपका खास आदमी हूं, इसलिए अपने लिए चांदी की सूली बनवाई है। देखें, दोनों सूलियां कितनी अच्छी बनी हैं? बीरबल की बात सुनकर बादशाह अकबर सन्न रह गये। उन्हें अपनी भूल समझ में आ गयी। उन्होंने फौरन राज्य के दामादों को सूलियों पर चढ़ाने का आदेश रद्द कर दिया।

शिक्षा : जब आप लोगों को गुस्से और जल्दी में वर्गीकृत करते हैं तो निश्चित कर लें कि आप भी उस श्रेणी में न आ जाए। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक बार उस पर विचार कर लें नहीं तो कई बार परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

7 अंतर खोजें

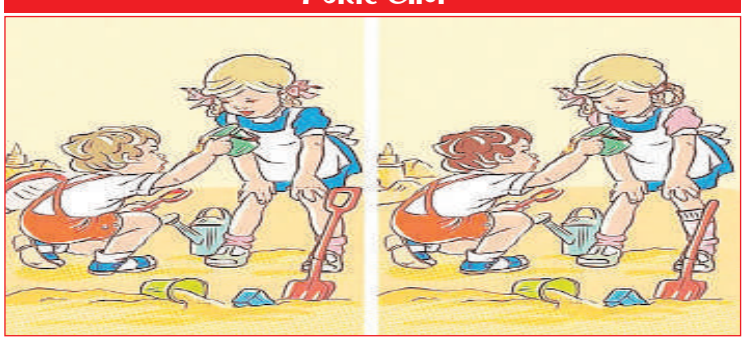

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मिथुन किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कर्क बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

सिंह स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। जल्दबाजी न करें।

कन्या घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। प्रसन्नता रहेगी।

तुला दुखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

धनु प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

मकर यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

कुम्भ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा।

मीन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

खत्म नहीं होगा सुपरस्टार्स का दौर- सलमान खान

सलमान खान ने साफ शब्दों में यंग ऐक्टर्स को यह बता दिया है कि उम्र भले ही 50 पार हो, लेकिन तीनों खान हों या अक्षय कुमार या फिर अजय देवगन, इन सुपरस्टार्स का जलवा अभी कायम रहने वाला है। एक बातचीत के दौरान सलमान से पूछा गया था कि ओटीटी के बढ़े प्रभाव को देखते हुए क्या यह कहना सही होगा कि सुपरस्टार्स के स्टारडम के युग का अब अंत होने वाला है? क्या सलमान खान और उनकी पीढ़ी के बाद कोई उन जैसा सुपरस्टार नहीं बन पाएगा? बॉलीवुड के दबंग ऐक्टर ने दो टूक शब्दों में कहा कि ऐसा नहीं होने वाला है। सलमान ने कहा कि एक जाएगा तो दूसरा आएगा। लेकिन हां, यंग ऐक्टर्स के लिए यह सब इतना आसान नहीं होने वाला है। सलमान खान ने कहा, ऐसा कुछ नहीं होने वाला। हम जाएंगे तो कोई और आ जाएगा। मुझे नहीं लगता कि स्टार्स और स्टारडम का दौर कभी खत्म होगा। यह कभी खत्म नहीं होने वाला, यह तो हमेशा रहेगा। हां, ये जरूर है कि आगे यह कई चीजों पर निर्भर करेगा। आपके फिल्मों का सेलेक्शन कैसा है, आप असल जिंदगी में कैसे हैं, यह सारी बातें अब बहुत मायने रखती हैं। कुल मिलाकर स्टारडम अब कई चीजों का पैकेज होगा। यंग जनरेशन के पास अपना सुपर स्टारडम होगा। सलमान ने अपनी बात रखते हुए आगे कहा, मैं यह कई साल से सुन रहा हूं कि स्टार का जमाना खत्म हो गया। कि ये अंतिम जनरेशन है। हम आज की यंग जनरेशन के लिए इतनी आसानी से सबकुछ छोने वाले नहीं हैं। हम सबकुछ उनके हाथों में रखकर कहीं नहीं जाने वाले। मेहनत करो भाई, पचास प्लस में जब हमलोग मेहनत कर रहे हैं तो आप भी मेहनत करो।

पूजा हेगड़े का सपना हुआ पूरा

अमिताभ बच्चन के साथ काम करेंगी पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े का एक अधूरा सपना अब पूरा हो गया है। पूजा हेगड़े ने अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अपने सपनों को आखिरकार पूरा कर लिया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अमिताभ के साथ अपनी कैंडिड फोटो साझा कर इस बात की खुशी जाहिर की है। इस तस्वीर में अमिताभ बच्चन फॉर्मल लुक में नजर आ रहे हैं, वहीं पूजा कैजुअल आउटफिट पहने हुए हंसते हुए दिखाई दे रही हैं। तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, The man. The Legend. Shooting with him is a dream I can finally tick off my dream list. Enough said. Stay tuned for more.. @SrBachchan #whendreamscometrue

बता दें कि पूजा हेगड़े से जब सोशल मीडिया पर ऑस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान एक फैन ने उनके ड्रीम एक्टर का नाम पूछा था तो उन्होंने अमिताभ बच्चन का नाम लिया था। वहीं एक फैन को जवाब देते हुए पूजा ने कहा था, एक और केवल एक अमिताभ बच्चन सर के साथ काम करना चाहती हूं। उम्मीद है एक दिन सच होगा। आखिरकार एक्ट्रेस का यह सपना सच हो ही गया।

बॉलीवुड | मसाला

पूजा हेगड़े थालापती विजय की बीस्ट, चिरंजीवी और राम चरण के साथ आचार्य, प्रभास के साथ राधे श्याम सलमान खान की भाईजान और रणवीर सिंह के साथ सर्कस में भी नज़र आएंगी।

ऋचा चड्ढा का पहला प्यार थे द्रविड़ उन्हें देखने के लिए देखती थी मैच

ऋचा चड्ढा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। ऋचा चड्ढा काफी समय से एक्टर अली फजल को डेट कर रही हैं। दोनों सोशल मीडिया पर अक्सर अपने प्यार का खुलकर इजहार करते हुए भी नजर आते रहते हैं। वहीं हाल ही में ऋचा चड्ढा ने अपनी पहली मोहब्बत के बारे में खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें एक क्रिकेटर से प्यार हो गया था। ये क्रिकेटर कोई और नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट टीम के नए कोच राहुल द्रविड़ है। इस बात का खुलासा ऋचा चड्ढा ने अपने शो इनसाइड एज 3 के प्रमोशन के दौरान किया है।

ऋचा चड्ढा ने कहा, वह अब क्रिकेट को ज्यादा फॉलो तो नहीं करती हैं, लेकिन कभी-कभी केवल राहुल द्रवि? को देखने के लिए मैच देखती थीं। जब से राहुल द्रवि? ने संन्यास लिया है, तब से उन्होंने क्रिकेट देखना ही बंद कर दिया था।

ऋचा चड्ढा ने कहा, अपने बचपन के दिनों में मैं क्रिकेट की बहुत बड़ी फैन नहीं थी। हां, मेरा भाई क्रिकेट खेला करता था। एक समय था जब मैं टीवी पर क्रिकेट मैच देखती थीं। मुझे राहुल द्रविड़ को खेलते देखना अच्छा लगता था। जब वह टीम से हटे, तब से मैंने क्रिकेट फॉलो करना छोड़ दिया। मेरी पहली मोहब्बत राहुल द्रविड़ हैं।

अजब-गजब | इस द्वीप की जिम्मेदारी केवल महिलाएं ही संभालती हैं

दुनिया के इस आइलैंड पर रहती हैं सिर्फ महिलाएं, जानिए क्या है इसकी वजह

दुनिया के लगभग हर स्थान पर महिला-पुरुष सभी को साथ रहते देखा गया है पर विश्व का एक ऐसा आइलैंड भी है जहां सिर्फ महिलाएं रहती हैं। इस आइलैंड के बारे में जान आप भी हैरान रह जाएंगे। यहां महिलाएं सिर्फ घर की ही नहीं बल्की सारे परिवार की अन्य जिम्मेदारियों की कमांड भी संभालती है। वैसे तो अधिकांश जगहों पर पुरुषों की संख्या अधिक देखी गई है पर यह आइलैंड महिला प्रधान है। इस जगह पर 90 प्रतिशत आबादि केवल महिलाओं की ही है।

यह आइलैंड एस्टोनिया देश में स्थित है। इस आइलैंड को किन्तु आइलैंड के नाम से जाना जाता है। इस पूरे द्वीप की जिम्मेदारी केवल महिलाएं ही संभालती हैं। दरअसल, इनके पति व बच्चे पैसे कमाने व नौकरी करने के लिए एस्टोनिया में चले जाते हैं। इसलिए यहां केवल महिलाएं ही रह जाती है। महिलाएं यहां केवल उनके पति की नौकरी पर निर्भर नहीं रहती हैं। यह सब खुद शिल्पकारी करके जीवन यापन करती हैं। यहां की महिलाएं उन लोगों के लिए उदाहरण है जो महिलाओं को किसी भी कार्या के लिए कम समझते हैं। एस्टोनिया के किह्नु आइलैंड का नाम यूनेस्को के इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज ऑफ यूमैनिटी की लिस्ट में भी दर्ज है। इस पूरे आइलैंड का भार महिलाएं संभालती हैं। यहां के पुरुषों के एस्टोनिया जाने के बाद भी महिलाओं ने इस जगह की परंपराओं को बखूबी संभाला है। यहां पर महिलाएं लोगों की शादी से लेकर अंतिम संस्कार तक के सारे काम खुद करती हैं। यही वजह है कि लोग उनके कार्यों की सराहना करते हैं। यहां की महिलाओं ने जिस तरह से उनकी परंपरा को संभाला है यह काबिले तारीफ है। इस द्वीप पर महिलाएं एक दूसरे के सुख-दुख में साथ रहती हैं। वह साथ में त्यौहार मनाती हैं, नाचती हैं, गाती हैं और एक दूसरे का साथ देती हैं।

ट्रेन का इंजन किसी भी स्टॉप पर क्यों नहीं होता बंद

आमतौर पर बस, कार, बाईक व अन्य वाहनों के कुछ देर रुकने पर उसका इंजन बंद कर दिया जाता है। वैसे ही लंबे समय तक ट्रेन के रुकने पर उसका इंजन बंद कर दिया जाना चाहिए पर अन्य वाहनों की तरह ट्रेन का इंजन बंद नहीं किया जाता। ट्रेन के चाहे जितने भी स्टॉप रहें, पर उसका इंजन किसी भी स्टॉप पर बंद नही किया जाता। कई बार ट्रेन ज्यादा वक्त के लिए भी स्टॉप पर रुकती है पर वहां भी उसके इंजन को कुछ देर के लिए भी बंद नहीं किया जाता। इसके पीछे क्या वजह है यह जानने के लिए लोगों को अक्सर उत्सुक देखा गाया है। इसकी पूरी वजह को जान कर आप भी हैरान रह जाएंगे। दरअसल, रुकी हुई ट्रेन के इंजन को चालू रखना लोको पायलेट यानी ट्रेन के ड्राइवर की मजबूरी होती है। ट्रेन के इंजन को अन्य वाहनों की तरह बंद या ऑफ नहीं किया जा सकता। डीजल इंजन को इस तरह बनाया गया है कि उसे थोड़े समय के लिए बंद नहीं किया जा सकता है। इसकी सबसे पहली वजह है कि ट्रेन के डीजल इंजन की तकनीक काफी जटिल होती है। इसके कारण इसे स्टेशन पर रोके जाने के बाद भी बंद नहीं किया जा सकता। जब ट्रेन को रोका जाता है तब ट्रेन का इंजन अपना ब्रेक प्रेशर खो देता है, फिर ट्रेन के रुकने पर एक सीटी जैसी आवाज आती है, यह आवाज इस बात का संकेत है कि ब्रेक प्रेशर को रिलीज कर दिया गया है। इस प्रेशर को बनने में कुछ वक्त भी लगता है। अगर हर स्टेशन पर ट्रेन को रोके जाने के साथ इंजन को भी बंद किया जाए तो उसे उस ब्रेक प्रेशरो को बनाने में अलग से ज्यादा वक्त लगेगा। इस तरह से पूरा इंजन बंद करने पर उसे फिर से स्टार्ट होने में काफी दिक्कत होती है। इंजन के फिर से स्टार्ट होने में और ट्रेन को चलने में करीब 20 मिनट का समय लग जाता है। अगर इंजन को बंद कर दिया जाए तो लोकोमेटिव सिस्टम भी फेल हो सकता है। क्योंकि डीजल इंजन में एक बैटरी लगी होती है और ये बैटरी तभी चार्ज होती है जब इंजन चालू रहता है। यही वजह है कि ट्रेन का इंजन किसी भी स्टॉप पर बंद नहीं किया जाता।

अब फतेहपुर में जीका वायरस की दस्तक, मचा हड़कंप

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिजनों का लिया सैंपल, मरीज को किया गया आइसोलेट, अलर्ट पर प्रशासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहपुर। अब प्रदेश के फतेहपुर में भी जीका वायरस ने दस्तक दे दी है। तेलियानी ब्लॉक के त्रिलोकीपुर गांव में जीका वायरस का पहला केस मिलने के बाद से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा है। 35 वर्षीय युवक राम प्रताप सिंह की जांच रिपोर्ट में जीका वायरस की पुष्टि होने के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव का दौरा किया और पीड़ित मरीज के परिजनों सहित कुल 21 लोगों के सैंपल लिए हैं। मरीज को होम आइसोलेट किया गया है।

सीएमओ डॉ. राजेंद्र सिंह ने बताया कि शहर से सटे तेलियानी ब्लॉक के त्रिलोकीपुर गांव के रहने वाले 35 वर्षीय राम प्रताप को काफी दिनों से बुखार आ रहा था। वह सोमवार को इलाज कराने जिला अस्पताल के ओपीडी वार्ड में पहुंचा था। डॉक्टरों ने

राम प्रताप का सैंपल लेकर जांच के लिए लखनऊ भेज दिया था। शुक्रवार को जब युवक की जांच रिपोर्ट आई तो उसमें जीका वायरस की पुष्टि हुई। रिपोर्ट आने के तुरंत बाद त्रिलोकीपुर गांव का विजिट किया गया है। प्रशासन की तरफ से चार नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग की तरफ से भी सर्वे, टेस्टिंग, मेडिकल कैंप व मलेरिया की चार टीमें बनाई हैं। सर्विलांस टीम ने 82 घरों का सर्वे किया है बाकी बचे 290 घरों का सर्वे आज किया जाएगा। गांव में मेडिकल कैंप लगाकर बुखार से पीड़ित रोगियों को दवाएं दी जा रही हैं। जीका वायरस का पहला केस मिलने के बाद डीएम अपूर्वा दुबे ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की है। साथ ही जीका वायरस से निपटने के लिए डीएम ने सभी तैयारियों पर जोर दिया है। मरीजों के लिए जिले में 61 बेड तैयार किए गए हैं। इसके पहले कानपुर, उन्नाव और लखनऊ में भी जीका वायरस के केस मिल चुके हैं।

वैक्सीनेशन को चलेगा सघन अभियान

लखनऊ। अब राजधानी में टीकाकरण कराने के लिए किसी प्रकार के पंजीकरण की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बताया कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जिला प्रशासन लखनऊ द्वारा 26 नवंबर 2021 से टीकाकरण के लिए पहले से पंजीकरण कराने की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है। अब जनपदवासी बिना पंजीकरण के सीधे टीकाकरण केंद्रों पर पहुंचकर टीकाकरण करा सकते हैं। पहले से रजिस्ट्रेशन कराने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने अपील की है कि वॉक इन टीकाकरण व्यवस्था का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में टीकाकरण केंद्रों में पहुंच कर पंजीकरण कराए। उन्होंने बताया कि अभियान में कोविशल्ड एवं को वैक्सीन दोनों प्रकार की वैक्सीन का प्रयोग करते हुए लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय खुराक से लाभान्वित किया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में आए हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन लोगों के द्वितीय डोज लगनी है और उन्होंने अभी तक टीकाकरण नहीं कराया है, उनके लिए 28 नवम्बर से दो दिसम्बर 2021 तक 5 दिनों का सघन अभियान चलाया जाए।

सुपर फास्ट ट्रेन के एसी कोच में आग, रेलमार्ग रहा प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। मुरैना के पास ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस के दो एसी कोच में आग लगने से आगरा-ग्वालियर रेल मार्ग पर ट्रेन का संचालन प्रभावित है। आगरा से ग्वालियर की ओर जाने वाली ट्रेन आसपास के स्टेशन पर खड़ी हो गईं। ट्रैक पर जले हुए कोचों को हटाने को काम चलने के कारण एक दर्जन ट्रेन करीब चार घंटे खड़ी रहीं। आगरा कैंट और राजा मंडी स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ लग गई है। शाम करीब सात बजे यातायात बहाल हुआ।

ट्रेन संख्या 20848 ऊधमपुर-दुर्ग सुपरफास्ट एक्सप्रेस शुक्रवार दोपहर 1.55 बजे आगरा कैंट रेलवे स्टेशन से ग्वालियर के लिए रवाना हुई थी। आगरा से चलने के बाद मुरैना के हेतमपुर पर दोपहर सवा तीन बजे ट्रेन के दो एसी कोच में आग लग गई। कोचों से आग की लपटें निकल रही थीं। आग लगने पर ट्रेन को मुरैना पर रोका गया। आग की सूचना पर आगरा रेल मंडल के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे के चलते आगरा-ग्वालियर रेल मार्ग पर यातायात पर ट्रेन का संचालन रोक दिया गया। हादसे के कारण करीब एक दर्जन ट्रेनें दो से चार घंटे तक लेट हो गई। हादसे में कोई यात्री हताहत नहीं हुआ।

लालू प्रसाद यादव की तबीयत बिगड़ी, एम्स में भर्ती

» भ्रष्टाचार मामले में तीस नवंबर को होनी है सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की तबीयत अचानक खराब हो गई। तबीयत बिगड़ने के बाद लालू यादव को दिल्ली एम्स के मेडिसिन विभाग में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

लालू प्रसाद यादव को बुखार और यूरिन में संक्रमण की शिकायत है। लालू प्रसाद यादव को किडनी की भी पहले से परेशानी रही है। एम्स के सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को लालू प्रसाद यादव को दोपहर एम्स की इमरजेंसी में लाया गया। इसके बाद उनकी कई जांच भी की गई। इसके पहले भी दिल और किडनी की बीमारी के कारण लालू प्रसाद यादव को एम्स में भर्ती कराया गया

था। उस वक्त वो लंबे समय तक भर्ती रहे थे। लालू यादव तीन दिन पहले ही बांका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में सीबीआई कोर्ट में पेशी के लिए पटना पहुंचे थे। लालू प्रसाद यादव 22 नवंबर को दिल्ली से पटना पहुंचे थे और 23 नवंबर को सीबीआई कोर्ट में पेशी हुई थी। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 30 नवंबर की तारीख तय की है। अस्वस्थ होने के कारण वे दिल्ली पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल सीखेंगे जापानी, लिया दाखिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जापानी संस्कृति एवं भाषा के बेसिक सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिला लेने वाले पहले छात्र बन गए हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल को रोल नंबर एक मिला है जबकि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा को रोल नंबर तीन। यह पहला मौका है जब हरियाणा के मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थी बने हैं।

इस कोर्स में मुख्यमंत्री के अलावा हरियाणा सरकार और स्वायत्त संस्थान के 5 अन्य उच्चाधिकारियों ने भी जापानी संस्कृति एवं भाषा के बेसिक सर्टिफिकेट कोर्स (3 महीने का कोर्स) में दाखिला लिया है। बता दें कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के एलुमनी एसोसिएशन द्वारा आयोजित पूर्व छात्र पुनर्मिलन 2021 कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जापानी भाषा के सर्टिफिकेट एंड डिप्लोमा कोर्स में दाखिला लेने की इच्छा जाहिर की थी।

चुनाव से ठीक पहले अब कांग्रेस की मुंबई इकाई में कलह

» जगताप और जीशान सिद्दीकी आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की कई राज्य इकाइयों में चल रहे झगड़े के बीच अब पार्टी की मुंबई इकाई के प्रमुख भाई जगताप और शहर के युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जीशान सिद्दीकी के बीच कलह शुरू हो गई है। सिद्दीकी ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर 'अपमानजनक व्यवहार एवं अन्याय' का आरोप लगाते हुए जगताप के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जगताप के करीबी नेताओं ने सिद्दीकी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि बांद्रा (पूर्व) के विधायक ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में गलत आचरण और अनुशासनहीनता की जिसके लिए उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। जगताप और

सिद्दीकी के बीच इस कलह की शुरुआत 14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर निकाले जाने वाले मोर्चे से पहले संपन्न एक बैठक के समय हुई। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में जीशान ने यह दावा भी किया है कि जगताप ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और उनके एवं उनके समुदाय के खिलाफ 'अपमानजनक शब्दों' का इस्तेमाल किया। कांग्रेस की मुंबई इकाई के नेताओं के बीच यह कलह ऐसे समय पर शुरू हुई है जब अगले साल बीएमसी के चुनाव होने हैं।

जिस चाचा ने जेल से छुड़वाया उसी को भतीजे ने गोली से उड़ाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» रुपयों के विवाद में दिया वारदात को अंजाम

सीतापुर। रुपयों के लेनदेन में भतीजे ने सगे चाचा को गोली मार दी। गांव के बाहर खेत के पास हुई वारदात में चाचा की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है।

मामला सदरपुर के अहेवा गांव का है। प्रथमदृष्टया यह बात प्रकाश में आई है कि जिस चाचा ने भतीजे को जेल से छुड़ाने के लिए मदद की और पैसा खर्च किया, उसी भतीजे ने अपने चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी। अहेवा में रहने वाले मनमा उर्फ सुरेश मिश्रा पुत्र छोटेलाल का अपने ही सगे भतीजे प्रेम पुत्र जगदंबा पर करीब डेढ़ लाख रुपये का लेनदेन था। बताया जा रहा है कि भतीजा प्रेम बीते वर्ष किसी मामले में जेल गया था। भतीजे को जेल से रिहा कराने में चाचा मनमा ने करीब डेढ़ लाख रुपये खर्च किए थे। जेल से रिहा होने के बाद चाचा मनमा भतीजे से रुपयों की मांग कर रहे थे। भतीजा, रुपये देने में टाल-मटोल कर रहा था, इसी बात को लेकर विवाद था। लेन-देन के इसी विवाद में शुक्रवार दोपहर प्रेम ने गांव के पूरब खेत के पास चाचा को गोली मार दी।

तो उत्तर प्रदेश में सुरक्षित नहीं दलित!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दलितों के खिलाफ लगातार जारी है अत्याचार

» सबसे बड़ा सवाला क्यों बनाया जा रहा दलितों को निशाना

लखनऊ। यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। प्रयागराज में एक दलित परिवार के चार लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इसके पहले हाथरस में एक दलित युवती के साथ बलात्कार हुआ और उसकी मौत हो गयी तो उसकी लाश को पेट्रोल डालकर फूंक दिया गया। उत्तर प्रदेश में दलितों पर अत्याचार के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यूपी में दलितों पर अत्याचार के मामले बढ़ क्यों रहे हैं? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अमलेंदु उपाध्याय, अजय शुक्ला, अमित कुमार श्रीवास्तव, रंजीव, लेखक और चिंतक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच हुई लंबी परिचर्चा में।

4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा, ऐसी कई घटनाएं यहां लगातार हो रही हैं। दलित नाबालिक लड़की के साथ गैंगरेप किया गया था। बाद में चारों को मार दिया गया। शिकायत के बाद भी प्रयागराज की पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। परिजनों ने ठाकुर जाति के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। ऐसी घटनाओं का होना प्रयागराज पुलिस पर सवाल उठती है। रविकांत ने कहा, ऐसी घटनाओं का सिलसिलेवार होना चिंतनीय है। दलितों पर अत्याचार बदस्तूर जारी है। क्या दलित महिलाएं इज्जत के साथ नहीं जी सकतीं। मजबूत कानून व्यवस्था का ढोल पीटा जाता है लेकिन हकीकत सबसे सामने हैं। अमलेंदु उपाध्याय ने कहा, प्रशासन में सीएम के जाति के लोग बैठे हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसी घटनाओं के समर्थन में सरकार खुद शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की। पुलिस को सरकार ने पूरी तरह निरंकुश बना दिया है। अजय शुक्ला ने कहा, यह सब उस राज्य में हो रहा है, जिसे भाजपा रामराज कह रही है। एक ओर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बात करते हैं पीएम दूसरी ओर यूपी में उनके साथ रेप और उनकी हत्या हो रही है। खड़ी हो जाएगी। यह स्थितियां यूपी की जनता के लिए खतरनाक है। रंजीव ने कहा, पिछले साढ़े चार में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी है जिसमें पुलिस से

कृषि कानूनों की वापसी से मुद्दा विहीन हो गया है विपक्ष : केशव

» डिप्टी सीएम व बीजेपी के यूपी अध्यक्ष ने पूर्व सरकारों पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा, कांग्रेस, बसपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार जिन्ना को याद करने वालों को अब जिन्ना भी नहीं बचा सकते। देश की जनता द्वारा भाजपा को दिए गए अपार समर्थन से कश्मीर से धारा 370 हटना, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर का बनना संभव हो सका है। अगर भाजपा की सरकार न होती तो क्या यह संभव हो पाता? इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने किसानों की मांग पर तीनों कृषि कानून वापस ले लिए हैं, जिससे विपक्ष मुद्दाविहीन हो गया है और बौखलाहट में है।

यही वजह है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में यूपी में भाजपा की प्रचंड बहुमत से सरकार आएगी, इसका मैं अलीगढ़ की धरती से एलान करता हूं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अलीगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह के नाम पर रामघाट कल्याण मार्ग की घोषणा की। कहा, चूंकि यह मार्ग पहले से राम के नाम पर था, इसलिए इसमें अब कल्याण सिंह का नाम जोड़ा गया है। इस फोरलेन मार्ग का 400 करोड़ का प्रस्ताव बनकर तैयार हो गया है। जल्द इसका निर्माण शुरू कराया जाएगा। विकास कार्य गिनाते हुए उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से अलीगढ़ में 970 करोड़ रुपये से 1168 काम कराए गए हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार का परिणाम सभी देख रहे हैं। सपा बसपा की सरकारों का लक्ष्य चंद जिलों का विकास था। मगर, अब सभी 75 जिलों में एक साथ विकास हो रहा है।

सरकार ने गरीब कल्याण के लिए कई कार्य किए

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण के लिए कार्य किया है। किसान, गरीब, मजदूरों की खुशहाली के लिए सरकार तत्पर रही है। चाहे वह प्रधानमंत्री किसान निधि योजना हो या अन्य विकास योजनाएं हों। कृषि कानूनों को लेकर कुछ लोग अपनी दुकान चला रहे थे। तीनों कृषि कानूनों को लेकर आंदोलन और विरोध होने पर प्रधानमंत्री ने साहसिक कदम उठाते हुए तीन कानूनों वापस लेने की घोषणा की। प्रधानमंत्री के साहसिक निर्णय ने विरोधियों की दुकानें बंद कर दी हैं। इससे विरोधियों में बौखलाहट है और वह मुद्दाविहीन हो गए हैं। आज सपा, कांग्रेस, बसपा सहित अन्य दल कितने भी गठबंधन करें, लेकिन वह भाजपा से पार नहीं पा सकते हैं।

योगी राज में माफिया और गुंडे अंतिम सांसे ले रहे

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को हर बात राजनीति के चश्मे से देखने की बुरी बीमारी लग गयी है, यही कारण है कि संविधान दिवस जैसे पवित्र दिन भी वे कुत्सित राजनीति से ऊपर नहीं उठ पाए। उन्होंने कहा जब पूरा देश भारत रत्न बाबा साहेब को याद कर रहा है और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प ले रहा है तो सपा मुखिया को चुनाव याद आ रहे हैं। सिंह ने कहा कि जब मंच से अखिलेश यादव दबे-कुचले, वंचितों, शोषितों और गरीबों के उत्थान की बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे तो वह भूल गए कि अनुसूचित जाति गरीबों और वंचितों पर सबसे ज्यादा अत्याचार सपा कार्यकाल में ही हुआ था। सबसे ज्यादा दलित उत्पीड़न के मामले सपा सरकार में सामने आए थे। स्थिति यह थी कि दलितों की एफआईआर तक दर्ज नहीं की जाती थी। उन्होंने कहा कि वही सपा मुखिया आज मंच से संविधान, जो दलित, वंचित, शोषित वर्ग की सुरक्षा के लिए बनाया गया था, उसके बारे में बात कर रहे थे। उन्हें इस संविधान की याद अपने शासनकाल में नहीं आई जब दलितों को मारा-पीटा जाता था और यहां तक कि उनकी हत्या कर दी जाती थी फिर भी कोई कार्रवाई नहीं होती थी। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था इतनी सशक्त है कि माफिया और गुंडे अंतिम सांसे ले रहा है।

सांसद संजय सिंह को गोली मारने की धमकी, केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को कल देर रात मोबाइल पर किसी ने जान से मारने की धमकी दी। इस बाबत उन्होंने गोमतीनगर थाने में तहरीर दी। पुलिस ने देर रात को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राज्यसभा सांसद व प्रदेश प्रभारी संजय के मुताबिक, उनका मोबाइल नंबर अजीत त्यागी के नंबर पर डायवर्ट रहता है।

बृहस्पतिवार रात करीब 9:30 बजे 9772277354 से एक कॉल आई। कॉल अजीत ने रिसीव की थी। कॉलर ने कहा कि संजय सिंह से बात करनी है। अजीत अभी मुझे मोबाइल देते तभी कॉल करने वाले ने गालियां देनी शुरू कर दीं। विरोध पर उसने कहा कि संजय सिंह की गोली मारकर हत्या कर देगा। आप सांसद के मुताबिक, पहले भी इस तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। संजय सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि मुझे फिर गोली मारने की धमकी मिली है। शायद कुछ लोग मुझे जान से मारना चाहते हैं। कोई बात नहीं लेकिन मैं उन कायर गुंडों को बताना चाहता हूं कि जुर्म और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना बंद नहीं करूंगा। यूपी पुलिस इस नंबर का संज्ञान ले। इसी नंबर से काल आई थी। गोमतीनगर थाना प्रभारी केके तिवारी के मुताबिक सांसद की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी को तलाशा जा रहा है।

यूपी, एमपी-बिहार में सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे : कपिल सिब्बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सरकारों पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि देशभर में इन तीनों राज्यों में कुपोषितों की संख्या सबसे ज्यादा है। विकास के सूचकांक बताते हैं कि किस कदर उत्तर प्रदेश के साथ ही बिहार और मध्य प्रदेश में कुपोषण बढ़ा है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि सबसे ज्यादा कुपोषितों की संख्या वाले इन राज्यों में किसका शासन है।

उन्होंने कहा यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की तो सरकार नहीं है। ये कुपोषण बढ़ने के पीछे का जिम्मेदार कौन है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के नेता कपिल सिब्बल ने तीन प्रमुख राज्यों की सरकारों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश में सरकारों ने क्या काम किया है, जो कुपोषण की संख्या बढ़ गई है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, वैसे ही राजनीतिक दलों की गहमागहमी भी बढ़ती जा रही है। हर राजनीतिक पार्टी के नेता विरोधी दलों को निशाना बना रहे हैं। बता दें कि कपिल सिब्बल अपनी ही पार्टी में आईना दिखाने वाली टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं।

2022 में भाजपा का सफाया तय : अखिलेश

» हरदोई में अखिलेश यादव व राजभर ने भरी हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम दल लगातार वोटर्स के बीच जाकर अपने-अपने तरीके से लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी ना सिर्फ यूपी की सियासी जंग फतह करने के लिए जनता से संवाद कर रही है बल्कि हर चुनावी फॉर्मूला आजमाया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने इस बार छोटे दलों को साथ मिलाकर बीजेपी को टक्कर देने की रणनीति तैयार की है। इसी कड़ी में आज हरदोई की संडीला विधानसभा के अतरौली

में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एक रैली साझा कर रहे है। रैली साझा करने से पहले दोनों नेताओं ने महाराजा सल्हीय सिंह अर्कवंशी की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाए। इस मौके पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा 2022 में प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेकेंगी। अखिलेश ने कहा फिर लड्डू का व्यापार होगा, 22 में बदलाव होगा। उन्होंने कहा किसान की कीमत नहीं दे पाई भाजपा। किसान का अनाज सस्ता ही है। मगर पेट्रोल और डीजल के रेट लगातार बढ़ रहे हैं। कृषि कानून आखिर वापस हुए न। इसी तरह जनता भाजपा का सफाया करेगी। वहीं ओमप्रकाश राजभर ने रैली में कहा हिंदु-मुसलमान की लड़ाई भाजपा कराती है। जबकि हमारी पार्टी और गठबंधन सिर्फ अधिकारों की बात करता है।

रायबरेली में कांग्रेस पर बरसीं स्मृति

» ईएसआई के नए भवन और डिस्पेंसरी का किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के बड़े गढ़ अमेठी पर कब्जा करने के बाद अब भाजपा की नजर इनके दूसरे किले रायबरेली पर है। भाजपा ने इस काम के लिए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को ही लगाया है जो कि अमेठी से बीजेपी की सांसद हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी आज अपने दौरे पर रायबरेली पहुंची। वहां उन्होंने ईएसआई के नए भवन के ब्रांच ऑफिस एवं डिस्पेंसरी का उद्घाटन किया।

इस दौरान यूपी सरकार में मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य और भारत सरकार

के श्रमएवं रोजगार राज्यमंत्री रामेश्वर उनके साथ मौजूद रहे। इससे पहले स्मृति ईरानी प्रगति पुरम कालोनी में नवनिर्मित राज्य बीमा कर्मचारी अस्पताल पहुंची। वहां उसका निरीक्षण भी किया। स्मृति इरानी कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता भी करेंगी। यहां पर यह बैठक करीब तीन वर्ष बाद हो रही है। आमतौर पर सांसद ही दिशा की बैठक की अध्यक्षता करता है, लेकिन रायबरेली से कांग्रेस की सांसद सोनिया गांधी का लम्बे समय से यहां पर आगमन नहीं हो पाया है। करीब तीन साल बाद हो रही इस बैठक में केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।